भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3716

जिसका उत्तर मंगलवार 09 अगस्त, 2016 को दिया जाना है

भारी इंजीनियरिंग उद्योग निगम लिमिटेड

3716. श्री लक्ष्मण गिलुवा:

श्री राम टहल चौधरी:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत पांच वर्षों के प्रत्येक वर्ष के भारी इंजीनियरिंग उद्योग निगम को कितना लाभ तथा कितनी हानि हुई है;

(ख) क्या एच.ई.सी. को 2013-14 में 29931 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है और एक वर्ष बाद ही वर्ष 2014-15 में 24169 करोड़ रुपये की हानि हुई है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इन दो वर्षों में 54100 करोड़ रुपये की बड़ी हानि का क्या कारण है;

(घ) क्या सरकार ने उक्त हानि के लिए कोई जवाबदेही तय की है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और इस संबंध में भविष्य में कौन से कदम उठाने के प्रस्ताव हैं?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री

(श्री बाबqल सुप्रियो)

(क) हेवी इंजीनियरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड (एचईसी), रांची ने सूचित किया है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान कंपनी द्वारा अर्जित लाभ/हानि का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:-

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
असाधारण आय और कर से पूर्व लाभ	38.14	8.58	20.38	**-151.74**	**-241.69**
कर पश्चात लाभ	38.14	8.58	20.38	**299.31**	**-214-69**

(ख), (ग), (घ) और (ड.): एचईसी ने 2013-14 में ₹299.31 करोड़ का लाभ अर्जित नहीं किया है। एचईसी ने सूचित किया है कि उन्हें 2013-14 और 2014-15 में क्रमश: **₹(-)151.74 करोड़ और ₹(-)241.69 करोड़ की प्रचालनात्मक हानि** हुई तथा यह कि **2013-14 में हुआ ₹299.31 करोड़ का निवल लाभ** इस तथ्य के कारण है कि एचईसी के पुनरुद्धार के लिए 2005 और 2008 में सरकार द्वारा दिए गए अनुमोदनों के अनुसार झारखण्ड सरकार से प्राप्त हुई राहत/सहायता को 2013-14 में एचईसी की लेखा बहियों में शामिल किया गया था।

पिछले पांच वर्षों के दौरान एचईसी के निष्पादन में गिरावट उत्पादकता संबंधी अत्यधिक समस्याओं तथा अन्य कारणों में कार्यशील पूंजी की बड़ी कमी के कारण आई है। उत्पादकता संबंधी समस्याएं मुख्य रूप से पुराने संयंत्रों और मशीनरियों जिनमें से अधिकांश 60 के दशक के प्रारंभ में स्थापित की गई थीं, की क्षमता संबंधी अवरोधों के कारण थीं। सरकार अपने अधीन कंपनियों के निष्पादन की समय-समय पर समीक्षा करती है तथा उपयुक्त सुधारात्मक कार्रवाई करती है।

*****